उपक्रम केन्द्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन निगम और कुल निजी आपरेटरों द्वारा प्रचालित की जाती हैं।

(ख) और (ग) जी हां, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई0 डब्ल्यू0ए0आई0) के टर्मिनल हल्दिया में, टी टी शेड में, और कलकत्ता में जुगरनाथ घाट पर और मुंगरे, भागलपुर और पटना में उपलब्ध हैं। फरक्क्ज्ञ ब्ज्ञर्ज् परियोजना प्राधिकराणों के टर्मिनल पाकुर और फरक्का में उपलब्ध हैं। आई0ब्ल्यू0ए0आई0 ने पटना में एक स्थायी आरसी0सी0 टर्मिनल का प्रस्ताव किया हैं, जिसके 3 वर्षों में प्रचालित हो जानी की संभावना हैं। आई0डब्ल्यू0ए0आई0 ने कलकत्ता के जी0आर0 जैट्टी क्षेत्र मे भी अतिरिक्त टर्मिनल बनाने का प्रस्ताव किया हैं।

International Conference on Exports of the Oil Industry

1085. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether any International Conference of experts of the Oil Industry from Asia, Central Asia and the Caucasian region was held recently in New Delhi to facilitate an instant decision on joint sector projects and promote regional cooperation in energy section as reported in The Financial Express, New Delhi dated the 19th July, 1995;

(b) whether it is a fact that the Central Asian and Caucasian region are rich in oil reserves estimated at around 3,000 million tonnes; and

(c) if so, which countries sent their representatives and what are the details of discussion held and outcome of the above mentioned New Delhi Conference?.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) to (c): Yes, Sir. The Conference which was organised by Tata Energy Reserach Institute (TERI), a non-Governmental organisation during 18—20 July, 1995 in New Delhi was attended by delegates from various countries all over the world including the republics of Central Asia and Caucasian region. Issues of common interest and the possible areas for cooperation among the Central Asian, Caucasian and other Asian countries in the field of energy trade, energy conservation, technology transfer environmental management, funding mechanism, database and exchange of information were deliberated in the Conference.

According to the statistics published in 'Oil and Gas Journal', the oil reserves of Central Asian countries and Caucasian region arc 1225 million tonnes and oil equivalent gas reserves are 5174 million tonnes.

"Fire in the Hilly Forests of Himachal Pradesh and Uttar Pradesh"

1086. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRI GAYA SINGH:
SHRI RAM NATH KOVIND:
DR. RANBIR SINGH:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether hilly forests of Himachal pradesh and Uttar Pradesh turned into a veritable inferno this year in summer as it dees every year;

(b) if so, what was the extent of damage to the forests in terms of forest areas affected the trees and plants burnt down and the wild life destroyed this year as compared to the preceding two years;

(c) how far the reports that the fires were man made fires at the behest of vested interests, are corract; and

(d) what steps were taken to minimise and mitigate the damage?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) The hill forests of Uttar Pradesh and Himachal Pradesh were affected

mainly by ground fires. As per reports available from the State Governments forest areas of 931 Sq. Kms. in. U.P. and 305 Sq. Kms. in H.P. were fire affected during 1995. There is no report of damage to wild life. During 1993 and 1994 the area affected by forest fires was 18 Sq. Kms, and 60 Sq. Kms. in U.P. and 17.32 Sq. Kms. and 5.69 Sq. Kms. in H.P. respectively.

(c) and (d) The Government has appointed a two member committee on 11.7.1995 to enquire into the causes of the forest fires, the extent of damage to the forest wealth and formulate a strategy to prevent the occurrence of such forest fires in future in these areas. The team has been asked to submit its report within a month.

देश में सबसे तेज रफ्तार वाली रेलगाड़ी

1087. **श्री राघवजी** : क्या रेल मुंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि**:**

(क)भारत में कौन-सी यात्री रेलगाड़ी सबसे ज्यादा तेज रफ्तार वाली हैं, और इस रेलगाड़ी की प्रति घंटा रफ्तार कितनी हैं; और

(ख)क्या उनका मंत्रालय कुछ मार्गों पर दो सौ किलोंमीटर प्रति घंटा अथवा उससे तेज रफ्तार की रेलगाड़ियां चलने की योजना बना रहा हैं; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और यदि नहीं, उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (**श्री सी0 के0 जाफर शरीफ**) : (क) 2001/2002 भोपाल नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस जिसकी नई दिल्ली और आगरा कैन्ट के बीच अधिकतमए अनुमेय गति 140 कि0मी0 प्रति घंटा हैं।

(ख)जी नहीं, वर्ग "क" मार्गों पर मुहैया की गई मौजूदा अवसंरचना 160 कि0मी0 प्रति घंटा तक की गति के लिए सक्षम हैं।

मध्य प्रदेश में टेलीफोन कनेक्शन के लिए प्रतीक्षा सूची

1088. **श्री अजीत जोगी** :

श्री मूलचन्द मीणा:

क्या संचार मंत्री यह बातने की कृपा करेंगे कि**:**

(क)30जून, 1995 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश में टेलीफोन कनेक्शन के लिए जिलावार कितने व्यक्ति प्रतीक्षा सूची में हैं; और

(ख)प्रतीक्षा सूची में शामिल इन सभी व्यक्तियों को टेलीफोन कनेक्शन प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (**श्री सुखराम**): (क) सूचना विवरण में दी गई हैं। (नीचे देखिए)

(ख)मध्य प्रदेश में वर्ष 1995-96 के दौरान 17,3800 नए टेलीफोन कनेक्शन दिए जाने का प्रस्ताव हैं। राष्ट्रीय दूरसंचार नीति-1994 में मध्य प्रदेश सहित समूचे देश में वर्ष 1997 तक मांग होने पर टेलीफोन कनेक्शन उपलब्ध करवानेए की परिकल्पना हैं।

विवरण

30. जून, 1995 की मध्य प्रदेश में जिले-वार व्यक्तियों की संख्या	टेलीफोन कनेक्शन हेतु प्रतीक्षा-सूची में
जिला	**दिनांक 30.6.95 को प्रतीक्षासूची**
बालाघाट	96
बस्तर	630
(जगदलपुर)	
बेतूल	239
भिण्ड	260
भोपाल	6705
बिलासपुर	2224
छतरपुर	110
छिंदवाड़ा	223
दमोह	105
दतिया	310
देवास	638
धार	436
दुर्ग	5225
गुणा	880
ग्वालियर	3205
होशंगाबाद	581
इन्दौर	4008
जबलपुर	3237
झबुआ	56
खण्डवा	75
खरगौन	200